व्यवहारवाद (Behaviourism)

जे० बी० वाटसन द्वारा 1913 में व्यवहारवाद की स्थापना किया गया. वाटसन ने संरचनावाद का विरोध करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यवहार के पीछे कोई ना कोई उद्दीपक अवश्य रहता है जिसको प्रेक्षण किया जा सकता है, मापा जा सकता है। इस तरह उन्होनें व्यवहार के अध्ययन के लिए प्रेक्षण को विधि माना तथा अनुबंधन को आवश्यक। व्यवहारवादियों ने जन्मजात प्रवृतियों के अस्तित्व को नकारते हुए, कोई व्यक्ति कैसे सीखता है इस बात पर बल दिया। वाटसन ने अलबर्ट नामक बालक पर प्रयोग कर बताया कि अनुबंधन के द्वारा बच्चा सीखता है। अलबर्ट के सम्मुख बालों वाला खिलौना तथा डरावनी ध्वनी को एक साथ प्रस्तुत किया गया। परिणामस्वरूप अलबर्ट डर गया और रोने लगा। कुछ समय बाद देखा गया कि अलबर्ट के सम्मुख जब कोई भी खिलौना बालों वाली प्रस्तुत कि जाती तो वह रोने लगता था। यह सब अनुबंध के कारण होता था ना कि चेतन के कारण। उन्होनें चेतना को नकार दिया।

वाटसन ने चिंतन के संबंध मे कहा कि बच्चे चिंतन की प्रक्रिया मे

अपने-आप से बात करता रहता है। उन्होंने चिंतन में पेशीय गति पर बल दिया। आदत के संबंध में वाटसन ने बताया कि आदतें दो तरह के नियम द्वारा सीखी जाती है- (a) बारंबारता के नियम द्वारा (b) अभिनवता के द्वारा। वाटसन ने पर्यावरणवाद के संबंध में कहा कि "यदि मुझे एक दर्जन बच्चे दे दिया जाय तो मैं उसे डॉक्टर, इंजीनियर आदि कुछ भी बना सकता हूँ"।

अन्य व्यवहारवादी गथरी, हल, स्कीनर है इन लोगों को परवर्ती व्यवहारवादी कहा जाता है।

गथरी ने कहा कि सीखने के लिए प्रयास की आवश्यकता नहीं होती है। व्यक्ति एक ही प्रयास में सीख सकता है। इसके अलावा गथरी ने बुरी आदतों से बचने के लिए तीन विधियाँ बताये (a) सीमा विधि (b) थकान विधि (c) परस्पर विरोधी उद्दीपन की विधि। स्कीनर द्वारा क्रिया प्रसूत अनुबन्धन के माध्यम से बताया गया कि शिक्षण तथा व्यवहार को एक खास स्थिती में लाने के लिए पुनर्बलन आवश्यक है। स्कीनर ने पुनर्बलन के संबंध में बताया कि जिस क्रिया को करने पर पुनर्बलन

(पुरस्कार अथवा जय-जयकार) मिलता है उसे प्राणी बार-बार करना चाहता है, इसके विपरीत जिस क्रिया को करने पर दंड मिलता है उस क्रिया को करने से प्राणी बचता है।

व्यवहारवाद वस्तुतः शरीरशास्त्री इवान पावलव के अध्ययन से प्रेरित था। व्यवहार वाद के द्वारा (i) बालकों के चूषण एवं प्रेम का व्यवस्था हो पाता है।
(ii) कुसमायोजित बालक को समायोजन के लिए प्रेरित किया जा सकता है।
(iii) वातावरण के महत्व को समझा जा सकता है।
(iv) पुर्नबलन द्वारा अच्छे व्यवहार को प्रोत्साहित किया जा सकता है।
(v) ~~बच्चों~~ भय, संबंधित मानसिक भ्रांतियों को भी दूर करने में सहायक है।